पहचान कौन?

गेम को खेलने का नियम-

- इस गेम को दो ग्रुप में खेला जा सकता है। स्कूल या समुदाय के साथ अगर यह गेम खेला जा रहा है तो उसके दो ग्रुप बना लें।
- इस खेल में एक मॉडरेटर (गेम को बताने वाला) होगा जो गेम के नियम के बारे में बताएगा, समय का ध्यान रखेगा और अंत में कौन विजेता है घोषित करेगा।
- इस पर लिखे गए संकेतों के साथ कार्ड का एक सेट होगा-
  1. आशा 2. मुखिया 3. डॉक्टर 4. बालू मक्खी
  5. छात्र 6. छिड़काव कर्मी 7. महिला स्वयं सेवी समूह
- प्रत्येक कार्ड में 3 संकेत होंगे।
- गेम को खेलने के लिए एक टीम का सदस्य मॉडरेटर की देख-रेख में विपरीत टीम के कार्ड की गड्डी में से एक कार्ड निकालेगा। उदाहरण के लिए अगर उस कार्ड में आशा कार्ड आता है तो वह सदस्य उस कार्ड पर दिए गए संकेत को पढ़ेगा। दिए संकेतों में से सिर्फ़ 2 संकेत ही खिलाड़ी इस्तेमाल कर सकते हैं और 2 मिनट के अंदर उसके टीम के सदस्यों को सही उत्तर बताना होगा।
- एक बार जो संकेत इस्तेमाल हो जाएगा मॉडरेटर उस संकेत को क्रॉस का चिन्ह लगा देगा. अगर अगले खिलाड़ी को फिर से आशा कार्ड आता है तो क्रॉस किया हुआ संकेत नहीं दिया जाएगा।
- यह गेम तब ख़त्म हो जाएगा जब खिलाड़ी द्वारा सारे कार्ड उठा लिए जाएँगे और सारे संकेत ख़त्म हो जाएँगे।
- सबसे ज़्यादा जवाब देने वाली टीम को मॉडरेटर अंत में विजेता घोषित कर देगा।

1 आशा

संकेत:

1. ये हम सभी को हर तरह के रोग और उनके उपचार के बारे में जागरूक करती है और सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं दिलवाने में मदद करती है।
2. कालाज़ार के लक्षण जैसे पेट फूलना, लम्बे समय तक बुखार, चमड़ी काली पड़ने पर आपको सरकारी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने में मदद करती है।
3. गाँव में माँ और बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण और टीकाकरण सुनिश्चित करवाना भी इनकी ज़िम्मेदारी है।

2 मुखिया

संकेत:

1. गाँव के विकास के लिए योजना बनाना और उनका क्रियान्वयन करना इनकी ज़िम्मेदारी होती है।
2. कीटनाशक छिड़काव (आई आर एस) के विषय में गाँव के हर ग्रामवासी को जागरूक करना इनकी ज़िम्मेदारी है।
3. बुनियादी सुविधाएँ जैसे स्वास्थ्य, स्कूल, सड़क एवं शौचालय का निर्माण इत्यादि को सुनिश्चित करते हैं।

3 डॉक्टर

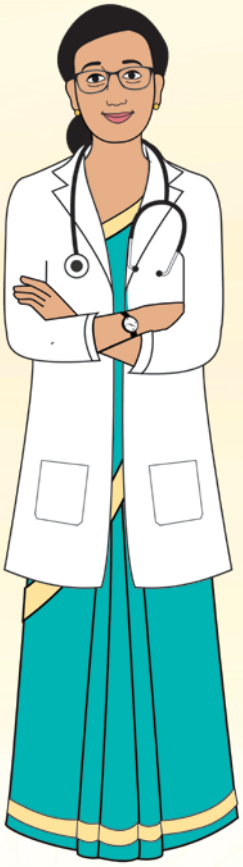

संकेत:

1. ये बीमारी के लक्षणों की पहचान, रोगियों की जांच करने के साथ सही उपचार करते हैं।
2. कालाज़ार के लक्षण जैसे पेट फूलना, लम्बे समय तक बुखार, चमड़ी काली पड़ने पर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र में जांच कराने इनके पास जाना होता है।
3. ये वही व्यक्ति हैं जो जरूरत पड़ने पर इंसान को काट और सिल भी सकते हैं।

4 बालू मक्खी

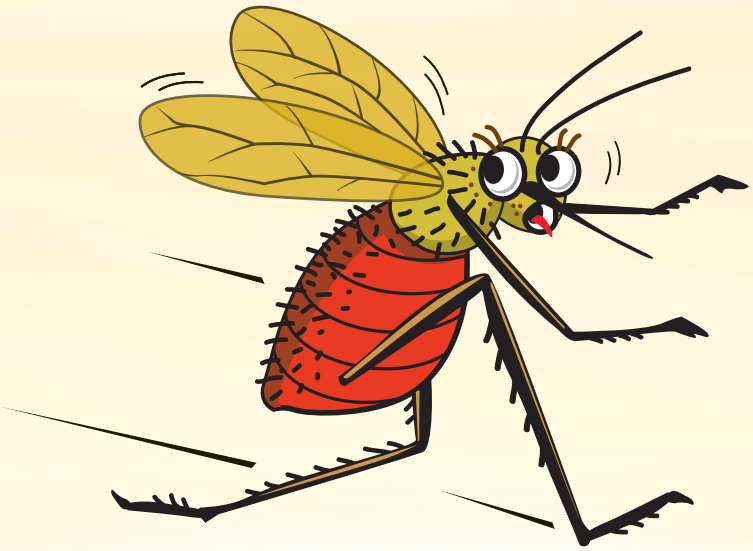

संकेत:

1. ये अंधेरा कोना, दीवारों की दरार, नमी वाली जगह और गौशाला में पायी जाती है।
2. यह कालाज़ार बीमारी फैलाती है।
3. साल में दो बार कीटनाशक छिड़काव (आई आर एस) से इसे मारा जा सकता है।

5 छात्र

संकेत:

1. ये रोज़ स्कूल जाकर पढ़ाई करते हैं।
2. कालाज़ार से सम्बंधित स्कूल में मिली जानकारी से अपने दोस्तों को और आस पड़ोस के लोगो को जागरूक करते है।
3. इनके कंधो पर इस गांव और देश का भविष्य टिका है।

6 छिड़काव कर्मी

संकेत:

1. साल में दो बार यह गाँव के हर घर में कीटनाशक छिड़काव करते हैं।
2. बालू मक्खी को मारने के लिए ये घर के हर एक कोने में कीटनाशक छिड़काव करते हैं।
3. कालाज़ार जैसी खतरनाक बीमारी को खत्म करने में इनकी अहम भूमिका है।

7 महिला स्वयं सेवी समूह

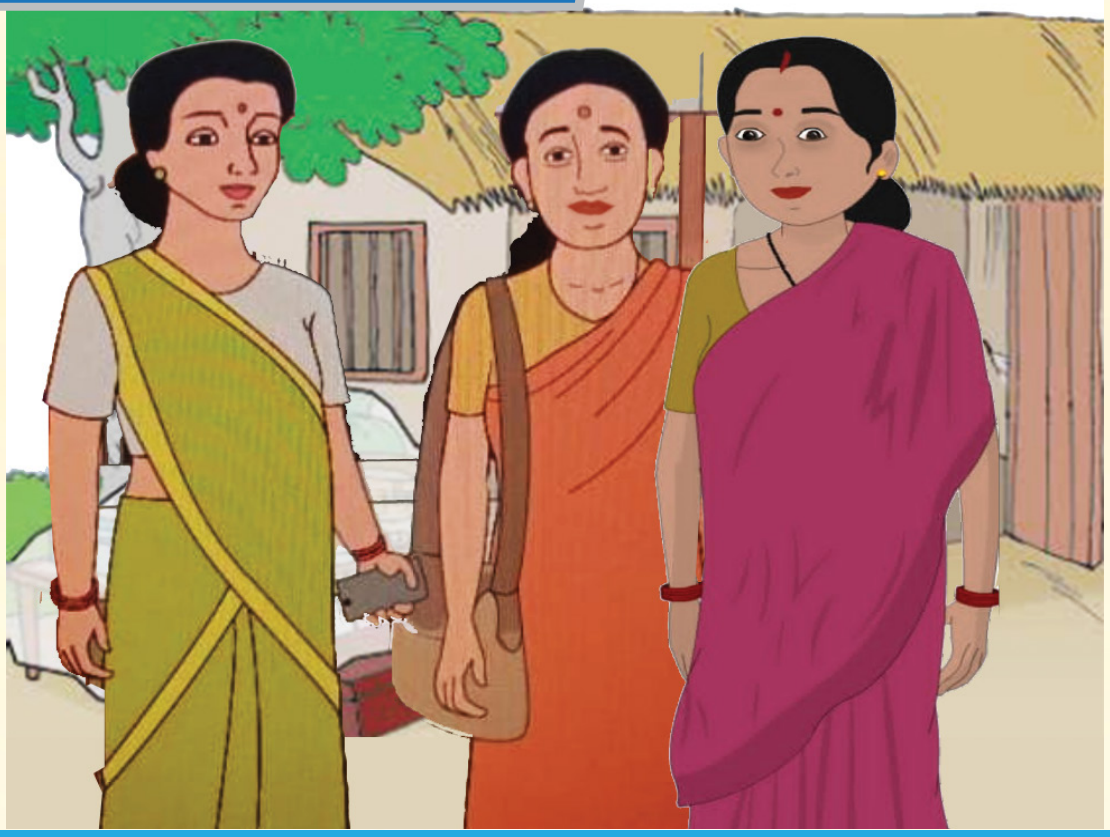

संकेत:

1. यह सामूहिक रुप से गांव में सामाजिक कार्य करती हैं।
2. कालाजार बीमारी के सम्बन्ध में यह लोगों में जागरूकता फैलती है।
3. अपने गाँव को कालाज़ार मुक्त बनाने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हैं।

? पहचान कौन ?

बालू मक्खी

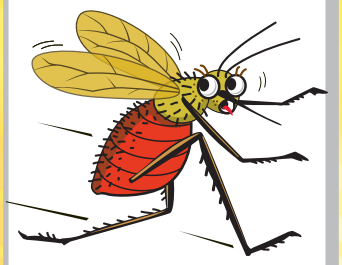

महिला स्वयं सेवी समूह

डॉक्टर

मुखिया

छात्र

आशा

छिड़काव कर्मी

मिलायें हाथ

कालाज़ार

को दें मात